

शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन: एक नई दृष्टि

प्रदीप कुमार

शोध छात्र

डॉ० रविकान्त

सरल मार्गदर्शक, शिक्षा विभाग

[Email:- pradeptyagitashu123@gmail.com](mailto:pradeptyagitashu123@gmail.com)

सार

शिक्षा एक महत्वपूर्ण साधन है, जो व्यक्तियों को ज्ञान, कौशल, तकनीक और सूचना से संपन्न करती है। यह उन्हें अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझने में सक्षम बनाती है, और समाज में अन्याय, हिंसा, भ्रष्टाचार और अन्य नकारात्मक तत्वों के खिलाफ खड़ा होने की क्षमता विकसित करती है। शिक्षा की भूमिका कई दृष्टिकोणों से देखी जा सकती है, यह लोकतांत्रिक समाज की नींव है, जो नागरिकों को जागरूक बनाती है और उन्हें अपने अधिकारों और कर्तव्यों का एहसास कराती है। इसके अलावा, यह भू-राजनीतिक स्थिरता प्रदान करती है, जो वैश्विक स्तर पर समृद्धि की दिशा में अग्रसर होती है। आर्थिक विकास में भी शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है, क्योंकि यह वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती है और आर्थिक समृद्धि के मार्ग को प्रशस्त करती है। शिक्षा लोगों को आवश्यक ज्ञान देती है, जिससे वह सक्षम और योग्य नेताओं का चयन कर सकें। इसके साथ ही, यह समाज में सहिष्णुता और समरसता को बढ़ावा देती है, जो एक शांतिपूर्ण समाज के लिए आवश्यक है। शिक्षा का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है, कि यह सदस्यों को अतीत की गलतियों से सीखने में मदद करती है, जिससे वे बेहतर निर्णय ले सकें।

जब हम शिक्षा की बात करते हैं, तो सबसे पहले ज्ञान प्राप्त करने का विचार मन में आता है। शिक्षा एक ऐसा माध्यम है, जो व्यक्तियों को ज्ञान, कौशल, तकनीक और जानकारी से समृद्ध करता है, जिससे वे अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझने में सक्षम होते हैं। यह हमें दुनिया को एक विस्तारित दृष्टिकोण से देखने का अवसर देती है और समाज में अन्याय, हिंसा, भ्रष्टाचार और अन्य नकारात्मक तत्वों के खिलाफ संघर्ष करने की क्षमता विकसित करती है। शिक्षा हमारे आस-पास की दुनिया का ज्ञान प्रदान करती है और जीवन को देखने का एक नया दृष्टिकोण विकसित करती है। यह

राष्ट्र के विकास में एक अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व है। शिक्षा के बिना, कोई भी नए विचारों की खोज नहीं कर सकता, और इस प्रकार, विकास की प्रक्रिया ठप हो जाती है। विचारों की कमी के कारण रचनात्मकता का अभाव होता है, और रचनात्मकता के बिना, किसी भी राष्ट्र का विकास असंभव है। इस प्रकार, शिक्षा न केवल व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए भी अनिवार्य है।

शिक्षा एक महत्वपूर्ण पहलू है, जो आधुनिक औद्योगिक दुनिया में एक बड़ी भूमिका निभाती है। इस प्रतिस्पर्धी वातावरण में सफल रहने के लिए लोगों को अच्छी शिक्षा की आवश्यकता होती है। आधुनिक समाज उन व्यक्तियों पर निर्भर करता है, जिनके पास उच्च जीवन स्तर और व्यापक ज्ञान होता है, जो उन्हें अपनी समस्याओं के प्रभावी समाधान खोजने में सक्षम बनाता है। शिक्षा न केवल व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि यह समाज की प्रगति और स्थिरता के लिए भी अनिवार्य है। फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट ने कहा, "लोकतंत्र तभी सफल हो सकता है, जब लोग समझदारी से चुनाव करने के लिए तैयार हों। इसलिए, लोकतंत्र की असली रक्षा शिक्षा में निहित है।" यदि लोग एक मजबूत लोकतंत्र की आकांक्षा रखते हैं, तो उन्हें गुणवत्ता की शिक्षा की आवश्यकता है। दूसरे शब्दों में, भू-राजनीतिक स्थिरता शिक्षा के सबसे प्रभावशाली पहलुओं में से एक है। शिक्षा का समाज पर सबसे

महत्वपूर्ण प्रभाव यह है, कि यह लोगों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करती है, साथ ही उन्हें तकनीकी उत्पादों के निर्माण के लिए आवश्यक ज्ञान भी देती है। सुकरात ने इस विचार को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से व्यक्त किया है कि- 'धन की बजाय ज्ञान को प्राथमिकता दें, क्योंकि धन क्षणिक है, जबकि ज्ञान शाश्वत है। इसी तरह, शिक्षा समाज के सदस्यों को उन तकनीकों और रणनीतियों को समझने में सहायता करती है, जिनका उपयोग राजनेता वोट हासिल करने के लिए करते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है, कि लोग उस नेता को चुनें, जो समाज के सही और प्रभावी संचालन में सबसे सक्षम हो। यह शहरी परिवेश में विविध आबादी के बीच सामान्य संघर्षों को कम करने में सहायक होता है। हेलेन केलर ने कहा था, 'शिक्षा का सर्वोच्च परिणाम सहिष्णुता है। समाज के सदस्यों को उन व्यक्तियों के बारे में शिक्षित करना, जो उनके साथ रहते हैं

या पड़ोसी राज्यों में है, कई संघर्षों को समाप्त करने की क्षमता रखता है इस प्रकार, शिक्षा सहिष्णुता को बढ़ावा देकर सामाजिक सामंजस्य को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।' शिक्षा एक शक्तिशाली उपकरण है, जिसका उपयोग आप दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं। मैल्कम एक्स ने कहा, 'शिक्षा भविष्य का पासपोर्ट है, क्योंकि कल उनका है, जो आज इसके लिए तैयारी करते हैं।' शिक्षा एक प्रभावशाली साधन है, जिसे दुनिया को रहने के लिए एक बेहतर स्थान बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, प्लेटो ने कहा कि लोकतांत्रिक सरकार की स्थापना करके भू-राजनीतिक स्थिरता हासिल नहीं की जा सकती। यदि सरकार बल प्रयोग करके या किसी पुरानी व्यवस्था को खत्म करके स्थापित की जाती है, तो यह संभावना है, कि नई सरकार शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक सिद्धांतों को प्रोत्साहित करने वाली नहीं होगी। इसके बजाय, यह ऐसी सरकार बन सकती है। जो सत्ता बनाए रखने के लिए बल का सहारा लेती है, इसलिए शिक्षा प्राप्त करना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि एक अच्छी शिक्षा समाज के सदस्यों को पूर्व

की गलतियों से सीखने और भविष्य में वही गलतियाँ दोहराने से रोकने में मदद करती है। शिक्षा एक शक्तिशाली उपकरण है, जो महिलाओं और अन्य अल्पसंख्यक समूहों को मौलिक नागरिक अधिकार हासिल करने में सक्षम बनाता है। कक्षा में महिलाओं और अल्पसंख्यकों के साथ सम्मान के साथ पेश आना बहुत महत्वपूर्ण है। अब्राहम लिंकन ने इस पर बल देते हुए कहा था कि शिक्षा समाज में लोगों को अधिक मौलिक नागरिक अधिकार दिलाने में सहायता करती है, जब उन्होंने कहा, एक पीढ़ी में कक्षा का अनुभव, अगली पीढ़ी में शासन का अनुभव है। लोगों को अध्ययन के माध्यम से अपराध में शामिल होने से रोका जा सकता है। वास्तव में, मेल्सा इंस्टीट्यूट फॉर वायलेंस प्रिवेंशन एंड ट्रीटमेंट एक चैरिटी संगठन है, जो हिंसा और अपराध को रोकने के लिए शिक्षा का सहारा लेता है। लोगों को यह प्रेरित करना कि वे अपने जीवन में सुधार कर सकते हैं, शिक्षा का समाज पर सबसे गहरा प्रभाव है। जॉन एफ. कैनेडी ने उत्कृष्ट शिक्षा की शक्ति को शानदार तरीके से व्यक्त किया- उन्होंने कहा, 'हम शिक्षा को विकास का एक उपकरण मानें, जिससे हम अपनी सर्वोत्तम क्षमताओं को निखार सकें, क्योंकि हम में से हर एक के भीतर एक निजी आशा और सपना होता है, जिसे साकार करने से सभी के लिए लाभ और हमारे राष्ट्र के लिए अधिकशक्ति प्राप्त हो सकती है' जॉन एफ. कैनेडी के यह वाक्य अमेरिका के संदर्भ में हैं, परन्तु यह संदेश हर समाज पर लागू होता है। आजकल नौकरी हासिल करना आसान नहीं है, खासकर आर्थिक उतार-चढ़ाव के समय। अक्सर, आपको एक ही पद के लिए सैकड़ों अन्य प्रतियोगियों के साथ मुकाबला करना पड़ता है। इसके अलावा, शिक्षा का स्तर जितना निम्न होगा, उतनी ही अधिक संख्या उन आवेदकों की होगी, जो कम वेतन वाली प्रवेश-स्तर की नौकरियों के लिए आवेदन करते हैं। फिर भी, यदि आपके पास सही योग्यता और शैक्षणिक पृष्ठभूमि है, तो आप संतोषजनक नौकरी पाने की संभावनाओं को बढ़ा सकते हैं। सीखें, खुद को प्रशिक्षित करें, स्नातक करें और अधिक से अधिक योग्यताएँ, कौशल, ज्ञान और अनुभव प्राप्त करने का प्रयास करें। उच्च शिक्षा और विभिन्न अनुभव

वाले लोगों को उच्च वेतन वाली विशेषज्ञ नौकरियों में सफल होने की अधिक संभावनाएँ होती है। यदि आप एक सुखद जीवन-शैली चाहते हैं, तो आपको कठिन मेहनत से पढ़ाई करनी होगी, ज्ञान हासिल करने और उच्च स्तर की योग्यता प्राप्त करने के लिए अपना समय और प्रयास समर्पित करना चाहिए। आपकी योग्यताएँ संभावित नियोक्ता को यह प्रेरित करेंगी कि वह आपको किसी अन्य उम्मीदवार पर प्राथमिकता दें। अपने विद्यालय और अध्ययन के दौरान मेहनत से काम करना यह दर्शाता है, कि आप कठिनाइयों से डरते नहीं हैं और अपने लक्ष्यों को हासिल करने में सक्षम हैं। नियोक्ता इसे एक महत्वपूर्ण लाभ मानते हैं, क्योंकि वह एक जिम्मेदार और कुशल कार्यबल को प्राथमिकता देते हैं। स्नातक होने के बाद, आप उन नौकरियों की खोज शुरू कर सकते हैं, जो आपको अपने ज्ञान को लागू करने का अवसर देंगी और आपके लिए पर्याप्त वेतन सुनिश्चित करेंगी।

शिक्षा के फायदों में से एक यह है, कि शैक्षणिक प्रणाली हमें आलोचनात्मक और तार्किक सोच को विकसित करने और स्वतंत्र निर्णय लेने की कला सिखाती है। जब बच्चे बड़े होते हैं, तो उन्हें कई चुनौतीपूर्ण मुद्दों का सामना करना पड़ता है, जैसे छात्र ऋण का भुगतान, नौकरी पाना, कार और घर खरीदना, और अपने परिवार का भरण-पोषण करना। यदि किसी ने वर्षों तक अपनी शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया है, तो उन्हें इन विभिन्न चुनौतियों पर सही निर्णय लेने में सक्षम होना चाहिए। लोग न केवल अपनी राय बनाने में सक्षम होते हैं, बल्कि अपने निर्णयों का समर्थन करने के लिए ठोस और विश्वसनीय तर्क और सबूत खोजने में भी सक्षम होते हैं। अच्छी शैक्षणिक और शैक्षिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को उच्च वेतन वाली नौकरियों में सफल होने का अधिक अवसर मिलता है। उनकी शिक्षा और उपलब्धियाँ जितनी अधिक होती हैं, उन्हें उतने ही बेहतर रोजगार विकल्प मिलते हैं। जो लोग गरीब परिवारों में बड़े हुए हैं, लेकिन फिर भी उन्होंने शिक्षा हासिल की है, उनके जीवन को बदलने की संभावना अधिक होती है, जिससे समाज में गरीबी की दर कम होने में मदद मिलती है। शिक्षा देशों को आर्थिक विकास में सहायक होती है, क्योंकि यह ज्ञान

अर्जित करने और उसे अपने जीवन में समझदारी से लागू करने के साथ-साथ दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने का अवसर प्रदान करती है। शिक्षा ने सदैव समाज में सम्मान अर्जित किया है, एक आरामदायक जीवन सुनिश्चित करने के लिए, लोगों को अपनी क्षमताओं को विकसित करना चाहिए और सफल तथा संतुष्ट रहने के लिए उच्च वेतन वाली नौकरियाँ हासिल करनी चाहिए। यह न केवल बेहतर प्रतिष्ठा प्राप्त करने में मदद करता है, बल्कि करियर की सीढ़ी पर तेजी से और आसानी से चढ़ने की संभावनाओं को भी बढ़ाता है इसके परिणामस्वरूप, यह स्थिर जीवन के लिए वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराता है, जिससे लोग अपना घर या अपार्टमेंट खरीद सकते हैं, और इस प्रकार अपने बच्चों की खुशी और सफलता को सुरक्षित कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, अपना खुद का घर होने से स्थिरता मिलती है और आत्मविश्वास बढ़ता है, जिससे परिवारों और समुदायों के लिए सकारात्मक माहौल का निर्माण होता है। टेनेसी विश्वविद्यालय के अनुसंधान के अनुसार, 'घर के मालिकों के बच्चों के कॉलेज से स्नातक होने की संभावना समान आयु, जाति और आय वाले किराएदारों के बच्चों की तुलना में 116% अधिक होती है। उनके हाई स्कूल से स्नातक होने की संभावना भी 25% अधिक होती है, और उनके गणित और पढ़ाई के अंक बेहतर होते हैं, साथ ही व्यवहार संबंधी समस्याएँ भी कम होती हैं।

शिक्षा समाज को कई तरीकों से लाभ पहुँचाती है, शिक्षित लोग समझते हैं, कि एक स्थिर और सुरक्षित समुदाय में रहना कितना महत्वपूर्ण है। वह उन पहलों में भाग लेने के लिए अधिक उत्सुक होते हैं, जो न केवल उनके पड़ोस बल्कि समग्र समाज को भी सुधारने में सहायक होती है। इसके अतिरिक्त, जब लोग अपने खुद के घर खरीदने में सक्षम होते हैं, तो वह अपने घरों को सुधारने के साथ-साथ स्थानीय मुद्दों को हल करने में भी सक्रिय रूप से शामिल होते हैं। अंततः, हम सभी के लिए एक बेहतर जीवनस्थल बनाने के लिए कम भाग्यशाली लोगों की सहायता करना और उनके साथ मिलकर काम करना अत्यंत आवश्यक है। आधुनिक समाज के लिए शिक्षा की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है, हर व्यक्ति

को संस्कृति, इतिहास और अन्य आवश्यक पहलुओं के बारे में ज्ञान प्राप्त करना चाहिए, ताकि वे समाज में सकारात्मक योगदान दे सकें। शिक्षा न केवल शैक्षणिक ज्ञान देती है, बल्कि यह व्यक्तियों को भावनात्मक, बुद्धिमत्ता और सच्चे मूल्यों के साथ प्रभावी नेतृत्व करना भी सिखाती है। शिक्षित लोग सही और गलत के बीच भेद करने में सक्षम होते हैं, जिससे समाज में अपराध दर को कम करने में सहायता मिलती है।

दुनिया भर में कई गंभीर मुद्दे उभर रहे हैं, और केवल सक्षम नेता ही हमें सही मार्ग पर चलने में मदद कर सकते हैं। डिजिटल शिक्षा लोगों और संगठनों को वैश्विक स्तर पर जोड़ने में सहायता करती है अब सीमाएँ समाप्त हो गई हैं। विभिन्न देशों और संस्कृतियों के व्यक्तियों के साथ संवाद करने और विचारों को साझा करने से ज्ञान का विस्तार होता है, जिससे हम एक-दूसरे को बेहतर समझने और सराहने में सक्षम होते हैं। समाज में शिक्षा का महत्व सदैव उच्च रहा है, क्योंकि यह जाति, नस्ल, लिंग और धर्म से परे जाती है शिक्षित व्यक्तियों को उनके ज्ञान और कौशल के आधार पर समान माना जाता है इसके अतिरिक्त, शिक्षित लोग खुले विचारों वाले होते हैं और दूसरों के दृष्टिकोण को सुनने और स्वीकार करने में सक्षम होते हैं, चाहे वे कितने भी भिन्न क्यों न हों। शिक्षा स्वतंत्रता का अनुभव प्रदान करती है, जिससे हम स्वतंत्र रूप से जीने की संभावना प्राप्त करते हैं। यह हमें वित्तीय चुनौतियों और गलत निर्णयों के खिलाफ एक मजबूत सुरक्षा प्रदान करती है शिक्षा किसी कमी को क्षमता में बदलने का एक महत्वपूर्ण साधन है। यह हमें समस्याओं को समझने और उनके समाधान खोजने के लिए विविध उपकरण और तरीके उपलब्ध कराती है। सबसे महत्वपूर्ण यह है, कि शिक्षा हमें सही निर्णय लेने और आवश्यकता पड़ने पर त्वरित प्रतिक्रिया करने की मानसिक लचीलापन प्रदान करती है। कई शोध दर्शाते हैं, कि शिक्षित महिलाएँ लिंग पूर्वाग्रह और घरेलू हिंसा के खिलाफ अधिक मजबूती से खड़ी हो सकती हैं, क्योंकि उन्होंने अपने निर्णय लेने की क्षमताओं को बेहतर बनाया है, चाहे वह सामाजिक सम्मान हो, पेशेवर ऊँचाई, वित्तीय सुरक्षा, या पारिवारिक स्थिरता, शिक्षा इन

सभी क्षेत्रों में मजबूती प्रदान करती है। अपना स्वयं का घर होने से स्थिरता मिलती है, जो उन बच्चों के लिए लाभकारी होती है, जो अपने घरों या अपार्टमेंट में बड़े होते हैं, जिससे उनकी सफलता की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं। उनके हाई स्कूल से स्नातक होने की संभावना 25% और कॉलेज समाप्त करने की संभावना 116% होती है- नेल्सन मंडेला ने कहा था। शिक्षा सबसे शक्तिशाली औजार है, जिसका उपयोग आप दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं। यह लोगों को एक बेहतर नागरिक बनने, उच्च वेतन वाली नौकरियों में सफलता प्राप्त करने में मदद करती है, और सही और गलत के बीच का भेद स्पष्ट करती है। शिक्षा हमें मेहनत के महत्व को समझाती है और हमें प्रगति के लिए प्रेरित करती है। इस प्रकार, हम अपने अधिकारों, कानूनों और नियमों को जानकर और उनका आदर करके एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं। शैक्षणिक प्रक्रियाओं के माध्यम से भाषाएँ सीखना विचारों, ज्ञान और श्रेष्ठ प्रथाओं के आदान-प्रदान में मदद करता है, जिससे हम विभिन्न लोगों के साथ संवाद करने में सक्षम होते हैं। यह हमें सामंजस्य में जीने का भी पाठ पढ़ाता है।

शिक्षा की विशेषताएँ

शिक्षा व्यक्तियों को सशक्त बनाने में एक केंद्रीय भूमिका निभाती है, इसके कुछ मुख्य योगदान निम्नलिखित हैं-

1. गरीबी का उन्मूलन-शिक्षा गरीबी को समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब कोई व्यक्ति शिक्षित होता है, तो वह उच्च गुणवत्ता वाली नौकरी प्राप्त कर सकता है और अपने परिवार की सभी आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है।
2. अपराध से सुरक्षा- शिक्षित व्यक्ति धोखे का शिकार होने से अधिक सुरक्षित रहता है। उनके पास सही जानकारी और समझ होती है, जिससे वह घरेलू हिंसा और अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रहते हैं। इससे उन्हें स्वस्थ और सकारात्मक रिश्तों का अनुभव होता है, जिससे धोखे या हिंसा का शिकार होने की संभावनाएँ कम होती हैं।

3. युद्ध और आतंकवाद की रोकथाम- सुरक्षित और संरक्षित जीवन जीने के लिए, हमें शिक्षा के महत्व को समझना आवश्यक है। विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रियता से भाग लेना चाहिए। यह उत्पादक गतिविधियाँ हमें एक बेहतर जीवन जीने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करती है।

4. वाणिज्य और व्यापार- अच्छी शिक्षा का अर्थ केवल स्कूल या कॉलेज जाकर डिग्री प्राप्त करना नहीं है। जब देश के नागरिक शिक्षित होते हैं, तो व्यापार और वाणिज्य भी सहजता से फल-फूलते हैं। शिक्षा उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहायता करती है और कठिन से कठिन कार्यों को पूरा करने का आत्मविश्वास देती है। शिक्षा प्राप्त करने से उनके जीवन स्तर में भी सुधार होता है।

5. कानून और व्यवस्था- शिक्षा राष्ट्र के तेज विकास की प्रक्रिया को सक्षम बनाती है, यदि आपके पास अच्छी शिक्षा है, तो आप अपने देश की सेवा अधिक प्रभावी ढंग से कर सकते हैं। यह सकारात्मक राजनीतिक दृष्टिकोण के विकास में भी सहायक होती है।

6. महिला सशक्तिकरण- शिक्षा महिलाओं के सशक्तिकरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विधवाओं के पुनर्विवाह, सती प्रथा, बाल विवाह और दहेज प्रथा जैसी पुरानी परंपराओं को शिक्षा के माध्यम से समाप्त किया जा सकता है। यदि महिलाएँ शिक्षित होंगी, तो वह अपने साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज उठा सकेंगी। इससे न केवल समाज में, बल्कि पूरे देश में महत्वपूर्ण विकास होगा। संक्षेप में, यदि सभी महिलाएँ शिक्षित हो जाएँगी, तो वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सही तरीके से उपयोग कर सकेंगी।

7. समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों का उत्थान- दुनिया को बदलने के लिए शिक्षा सबसे आवश्यक तत्व है। शिक्षा की कमी के कारण, कई अशिक्षित लोग समाज में व्याप्त भेदभाव, अस्पृश्यता और अन्याय का सामना करते हैं, लेकिन जब शिक्षा का विकास होता है, तो यह समस्याएँ कम होती जाती है। यदि सभी लोग शिक्षित होंगे, तो अंततः समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों का उत्थान संभव होगा।

8. संचार शिक्षा और संचार के बीच का संबंध स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। अच्छी शिक्षा हमें दूसरों के साथ प्रभावशाली ढंग से संवाद स्थापित करने में सहायता करती है। यह हमारे संवाद कौशल, जैसे कि भाषण और शारीरिक भाषा, को भी विकसित करती है। एक शिक्षित व्यक्ति आत्म-विश्वास के साथ बड़ी सभाओं में भाषण देने या मीटिंग और सेमिनार आयोजित करने में सक्षम होता है। ईमेल भेजना, पत्र लिखना, संदेश टाइप करना, पत्रिकाएँ और समाचार पत्र पढ़ना, और यहां तक कि स्मार्टफोन का प्रयोग करना सरल हो जाता है। यह सब बुनियादी शिक्षा के बिना संभव नहीं है।

निष्कर्ष

शिक्षा को एक ज्ञानवर्धक प्रक्रिया माना जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य हमारी बुद्धि और ज्ञान के भंडार का विस्तारित करना है यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसका सकारात्मक व व्यापक प्रभाव है हालांकि, अन्य मानवीय क्षेत्रों की तरह, शिक्षा के कुछ नकारात्मक पहलू भी मौजूद हैं। रोजगार और करियर की संभावनाएँ तभी प्रकट होती हैं, जब शिक्षा का तत्व समीकरण में शामिल होता है, जब से हम इस दुनिया में कदम रखते हैं। हमें इस बात की महत्वता सिखाई जाती है, कि शिक्षा जीवन में सफलता की कुंजी है, लेकिन, इसके साथ ही हम बच्चों के नैतिक मूल्यों को कमजोर कर रहे हैं। यह एक प्रतिस्पर्धा का माहौल पैदा करता है, जो अस्वस्थ संबंधों की ओर ले जाता है, जैसे ही बच्चों को स्कूल में दाखिल किया जाता है, उन्हें यह दृष्टिकोण दिया जाता है, कि केवल व्यक्तिगत उपलब्धियाँ ही मायने रखती हैं। इसलिए, स्कूल में दाखिले की प्रक्रिया (या होम-स्कूलिंग) के संदर्भ में हमें गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

भारत सरकार सर्वशिक्षा अभियान - कार्यान्वयन के लिए रूपरेखा। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, प्रारंभिक शिक्षा और साक्षरता विभाग, नई दिल्ली।

जयराम, एन, (2008) भारत में स्कूल-समुदाय संबंध कुछ सैद्धांतिक और पद्धतिगत विचार, समुदाय और स्कूल संबंध सिद्धांत और व्यवहार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत पेपर (17-19 मार्च, 2008), एनयूईपीए, नई दिल्ली।

भारत सरकार (2011) सर्व शिक्षा अभियान कार्यान्वयन की रूपरेखा (आरटीई 2009 पर आधारित), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
खन्ना कैलाश (2007) भारत में नीतियों का विकास, मुखोपाध्याय मरमर और मधु परहार (संपादक) भारत में शिक्षा, शिप्रा, नई दिल्ली।

मित्सुए उमुरा (1999) शिक्षा में सामुदायिक भागीदारी: हम क्या करें
दारक जी. किशोर, (2008) प्रारंभिक शिक्षा में संसाधन के रूप में सामुदायिक भागीदारी, समुदाय और स्कूल संबंध-सिद्धांत और व्यवहार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत पेपर (17-19 मार्च, 2008), एनयूईपीए, नई दिल्ली।

पोखिरयाल एचसी (2008) स्कूल शिक्षा का समुदायीकरण- क्षेत्र से प्रतिबिंब समुदाय और स्कूल संबंधों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया पेपर-सिद्धांत और अभ्यास, एनयूईपीए, नई दिल्ली

प्रयिका पांडे, संगीता गोयल, वेंकटेश सुंदररमन (2008) पब्लिक स्कूलों में सामुदायिक भागीदारी-तीन भारतीय राज्यों में सूचना अभियानों का प्रभाव, नीति अनुसंधान कार्य पत्र 4776, विश्व बैंक, दक्षिण एशिया क्षेत्र, मानव विकास विभाग

रामचंद्रन विमला (2003) एसएसए और आरटीई के तहत सामुदायिक भागीदारी के प्रावधानों में सामुदायिक भागीदारी और सशक्तिकरण। प्राथमिक शिक्षा-भारत सरकार में राजस्थान के अनुभवों की चर्चा।